देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 20 अंक: 349 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, मंगलवार, 17 मार्च 2026

विचार–प्रवाह...
वेनेजुएला के बाद ईरान

मौसम — अधिकतम 29.0° न्यूनतम 18.0°

82924.41

2 ट्रंप की नाटो देशों को धमकी

7 हमें पहली गेंद मिली उड़ा देंगेः वैभव

भारतीयों को निकाला जा रहा सुरक्षित

पश्चिम एशिया संकट के बीच आशंकाओं पर सरकार का जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू–राजनीतिक संकट के बीच भारत सरकार ने घरेलू ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए बहुआयामी रणनीति लागू की है। पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि एक ओर ईरान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकाला जा रहा है, वहीं दूसरी ओर घरेलू मोर्चे पर ईंधन आपूर्ति शृंखला पूरी तरह से सामान्य है और देश की रिफाइनरियां अपनी अधिकतम क्षमता पर काम कर रही हैं।

पेट्रोल पंपों पर कामकाज पूरी तरह से सामान्य है और देश के किसी भी हिस्से से ईंधन खत्म होने की कोई सूचना नहीं मिली है। परिवहन के लिए इस्तेमाल होने वाली सीएनजी और घरों में उपयोग होने वाली पीएनजी की आपूर्ति उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत सुनिश्चित की जा रही है। इस पैनिक को देखते हुए सरकार ने तय किया है कि उन लोगों को अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करना पड़ेगा, जिनके पास पाइप गैस का कनेक्शन मौजूद है।

पश्चिम एशिया संकट के दौरान ऊर्जा शिपमेंट के सुरक्षित परिवहन को लेकर भी सकारात्मक खबर आई है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि फारस की खाड़ी से रवाना हुआ शिवालिक एलपीजी कैरियर होर्मुज जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर चुका है और भारत की ओर बढ़ रहा है। इसके आगमन से पूर्व ही बंदरगाह पर दस्तावेजीकरण और प्राथमिकता के आधार पर बर्थिंग की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं, ताकि आपूर्ति में कोई विलंब न हो।

अंतर–मंत्रालयी ब्रीफिंग में आर्थिक मोर्चे के साथ–साथ कूटनीतिक मोर्चे पर भी अपडेट साझा किए गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ईरान में फंसे भारतीयों की स्थिति पर जानकारी दी। अब तक 550 से अधिक भारतीय नागरिक ईरान से भूमि सीमा के माध्यम से आर्मेनिया में सुरक्षित प्रवेश कर चुके हैं। इसके अलावा, लगभग 90 अन्य भारतीय नागरिकों ने ईरान से भूमि सीमा के रास्ते ही अजरबैजान में प्रवेश किया है।

ऊर्जा सुरक्षा और ईंधन आपूर्ति की ताजा स्थिति

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने साफ किया है कि मौजूदा वैश्विक तनाव का भारत की ईंधन आपूर्ति पर कोई असर नहीं पड़ा है।

पीएनजी अपनाने पर विशेष जोर और प्रोत्साहन

ऊर्जा स्थिरता को और मजबूत करने के उद्देश्य से सरकार स्वच्छ ईंधन के उपयोग पर जोर दे रही है। संयुक्त सचिव के अनुसार, वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि वे जहां भी संभव हो, पीएनजी कनेक्शन अपनाएं। इसके साथ ही, पीएनजी को बढ़ावा देने के लिए गैस कंपनियों ने विशेष प्रोत्साहन की घोषणा की है जैसे इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने ऑफर दिया है कि यदि कोई घरेलू उपभोक्ता 31 मार्च से पहले पीएनजी कनेक्शन लेता है और गैस खरीदना शुरू करता है, तो उसे 500 रुपये की मुफ्त गैस मिलेगी। गेल और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) जैसी प्रमुख कंपनियां भी उपभोक्ताओं को स्वच्छ ईंधन की ओर आकर्षित करने के लिए इसी तरह के प्रोत्साहन दे रही हैं।

बॉर्डर पार करने की कोशिश न करें

नई दिल्ली। ईरान संकट शुरू होने के बाद से ही सरकार मिडिल ईस्ट में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए जुट गई थी। सरकार ने बताया कि खाड़ी क्षेत्र से 20,000 भारतीय नागरिक भारत लौट चुके हैं। ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने इसके पहले भारतीय नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि बिना दूतावास को जानकारी दिए ईरान की सीमा को पार करने की कोशिश न करें। अब दूतावास ने एक बार फिर से ऐसी ही एडवाइजरी साझा की है। भारतीय दूतावास ने कहा है कि सभी भारतीय नागरिकों तेहरान स्थित भारतीय दूतावास से पहले बात किए बिना ईरान की किसी भी जमीनी सीमा को पार करने की कोशिश न करें।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने जारी की 144 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने 144 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। भवानीपुर सीट से सुवेंदु अधिकारी को टिकट दिया है, जिनके सामने सीएम ममता बनर्जी होंगी। बंगाल में इस बार दो चरणों में मतदान होने के कारण राजनीतिक दलों को प्रत्याशियों की सूची जारी करने की होड़ मच गई है। वाममोर्चा ने कांग्रेस, आइएसएफ व तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा नवगठित पार्टी के साथ गठबंधन की प्रतीक्षा न करते हुए प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है।

मुख्यमंत्री ने अन्तराष्ट्रीय योग महोत्सव का किया शुभारम्भ

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को जनपद टिहरी के गंगा रिजॉर्ट मुनिकीरेती में आयोजित अन्तराष्ट्रीय योग महोत्सव 2026 में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल व्यायाम नही समग्र जीवन पद्धति है।

कुंभ 2027 के आयोजन में किसी स्तर पर नहीं रहेगी कोई कमी

कुंभ मेला 2027 की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हरिद्वार का भ्रमण कर कुंभ मेला 2027 की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की। डामकोठी में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अगले वर्ष आयोजित होने वाले कुंभ मेले के दिव्य एवं भव्य आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ जैसे विराट आयोजन में किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। सभी संबंधित विभाग पूरी क्षमता और समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध तरीके से तैयारियों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि मेला आयोजन से जुड़े सभी हितधारकों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों तथा साधु–संतों के सहयोग से कुंभ मेले का भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि कुंभ से संबंधित कार्यों के लिए धनराशि की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी तथा प्रस्तावित कार्यों के लिए आवश्यक स्वीकृतियां शीघ्र जारी की जाएंगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान ही दूरभाष पर मुख्य सचिव से वार्ता कर शासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सड़क, पुल, पेयजल, स्वास्थ्य, यातायात और पार्किंग व्यवस्था से जुड़े स्थायी प्रकृति के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि आगामी चारधाम यात्रा, वर्षाकाल तथा कांवड़ यात्रा को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख कार्यों के क्रियान्वयन की रणनीति बनाई जाए और विभाग निरंतर बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कुंभ मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए आधुनिक तकनीकों और सुविधाओं से सुसज्जित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की स्थापना को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इसके लिए आवश्यक स्वीकृति शीघ्र जारी की जाएगी।

स्वीकृतियां तुरंत होगी जारीः सीएम

सीएम ने मेला नियंत्रण भवन के पास प्रस्तावित सीसीआर–2 भवन परियोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कुंभ मेले के सुचारु प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण इस परियोजना को भी शीघ्र वित्तीय स्वीकृति प्रदान की जाएगी।

कोई भी होर्मुज आया तो होगा भंयकर विनाश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल के साथ ईरान की संयुक्त जंग अब 17वें दिन में प्रवेश कर गई है। मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर पहुंच चुका है, जहां एक तरफ लगातार हवाई हमले हो रहे हैं तो दूसरी तरफ जवाबी कार्रवाइयां तेज हो गई हैं। इस संघर्ष ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला कर रख दिया है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल निर्यात होता है। ईरान ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य अब ईरान पर हमला करने वाले देशों के लिए सुरक्षित नहीं रहेगा।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने स्पष्ट किया कि यह रणनीतिक जलमार्ग किसी भी ऐसे देश के लिए खुला नहीं होगा, जो इसे ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए इस्तेमाल करना चाहता है। उन्होंने कहा, जहाज इस जलडमरूमध्य से केवल विशेष परिस्थितियों में ही गुजर सकते हैं। क्षेत्रीय असुरक्षा अमेरिका और इजरायल के हमलों के कारण पैदा हुई है।

बगाई ने जोर देकर कहा कि ईरान के सशस्त्र बल इस महत्वपूर्ण मार्ग पर पूर्ण नियंत्रण रखते हैं और किसी भी आक्रामक देश को इसका दुरुपयोग करने से रोकेंगे। एक तटीय राष्ट्र के रूप में ईरान को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

चेतावनी

■ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई की चेतावनी

होर्मुज को लेकर ट्रंप की मांग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने सहयोगी देशों से होर्मुज की सुरक्षा के लिए युद्धपोत भेजने की मांग की है, लेकिन कई देश अभी तक आगे नहीं आए हैं। तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है। ईरान के इस कदम से युद्ध और लंबा खिंच सकता है, जबकि क्षेत्रीय स्थिरता खतरे में है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

बिहार राज्यसभा चुनाव में एनडीए का क्लीन स्वीप

■नीतीश–नितिन सहित पांचों उम्मीदवार जीते

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पटना। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए हुए चुनाव में एनडीए ने शानदार जीत दर्ज करते हुए सभी सीटों पर कब्जा कर लिया। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री छपजपीे झनउंत और भाजपा नेता छपजपद छंइपद राज्यसभा पहुंच गए। एनडीए के अन्य उम्मीदवारों में ंतउदंजी जींनत, न्चमदकतं झ्नूींं और ैपअमेी तंउ भी विजयी रहे। चुनाव परिणाम के बाद एनडीए खेमे में खुशी का माहौल देखा गया। वहीं महागठबंधन की रणनीति पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और नीतिन नबीन को 44–44 वोट मिले। केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर को 42 वोट प्राप्त हुए। आरएलएम के नेता उपेंद्र कुशवाहां को भी 42 वोट मिले। भाजपा नेता शिवेश राम ने भी जीत दर्ज की। वहीं राजद समर्थित उम्मीदवार एडी सिंह को 37 वोट ही मिल सके।

राज्यसभा चुनाव में एक सीट जीतने के लिए 41 वोट की आवश्यकता थी। लेकिन महागठबंधन के चार विधायक मतदान में शामिल नहीं हुए।

न्यूज डायरी

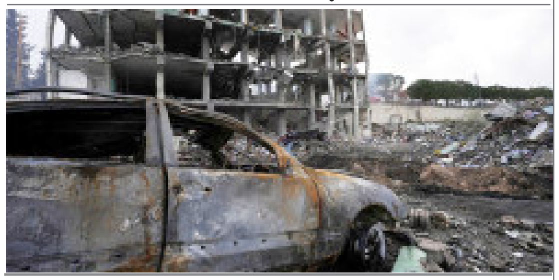

हिजबुल्लाह के ठिकानों पर इजरायल का बड़ा हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। इजरायली सेना ने सोमवार को बताया कि उसके सैनिकों ने हाल के दिनों में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाया है। इजरायली सेना ने आगे बताया कि उन्होंने हिजबुल्लाह के खिलाफ ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं, ताकि वे अपनी आगे की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बना सकें। ईरान–इजरायल के बीच संघर्ष लगातार चल रहा है। इस युद्ध में लेबनान समर्थित हिजबुल्लाह की एंट्री से मिडिल ईस्ट की जंग और बढ़ गई। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद हिजबुल्लाह ने इजरायल पर हमले करना शुरू कर दिया था। वहीं इजरायल ने भी इन हमलों का जवाब दिया। इजरायल ने अब हिजबुल्लाह से बदला लेने के लिए लेबनान में ग्राउंड ऑपरेशन शुरू कर दिए हैं। इजरायल इस अभियान से युद्ध में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। ईरान ने हाल ही में इजरायल, इराक और कुवैत में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने हमले की जिम्मेदारी ली और बताया कि उसने इजरायल, इराक और कुवैत में स्थित तीन अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। ईरान, अमेरिका से इस युद्ध में बदला लेने के लिए खाड़ी देशों में अमेरिकी एयरबेस को निशाना बना रहा है, क्योंकि अमेरिका के एपिक फ्यूरी ऑपरेशन में ही अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हुई थी और 28 फरवरी के हमले के बाद भी अमेरिका ने ईरान पर कई हमले किए।

गाजा से फिलिस्तीनियों की निकासी में शामिल था इजरायली समूह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। नवंबर में जब गाजा से लगभग 150 फलस्तीनी नागरिकों को लेकर विमान साउथ अफ्रीका में उतरा, तो वहां मौजूद सभी लोग आश्चर्यचकित रह गए। मई से अब तक गाजा युद्धग्रस्त क्षेत्र छोड़ने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने वाले गाजा निवासियों से भरी कम से कम तीन उड़ानें इंडोनेशिया और दक्षिण अफ्रीका में उतर चुकी हैं।
एसोसिएटेड प्रेस की जांच के अनुसार, गाजा द्वारा भरी इन उड़ानों के पीछे एक इजरायली समूह का हाथ है, जिसके संस्थापक ने गाजा से फलस्तीनी नागरिकों को पुनर्स्थापित करने के अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्ताव का दृढ़ता से समर्थन किया था। पूर्व खुफिया अधिकारियों और सैनिकों द्वारा संचालित इस संगठन ने एक छद्म कंपनी श्अल–मजदश के जरिए इन उड़ानों को अंजाम दिया। उस वक्त, दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने इन उड़ानों को गाजा और वेस्ट बैंक से फलस्तीनी नागरिकों को बाहर निकालने का एक स्पष्ट एजेंडा बताया था। एक अनुबंध, यात्रियों की सूची, टेक्स्ट संदेशों, वित्तीय विवरणों और दो दर्जन से अधिक इजरायली, फलिस्तीनी और यात्राओं से जुड़े अन्य लोगों के साथ साक्षात्कार के अनुसार, कई यात्रियों ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस यात्रा के पीछे कौन था। लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इसकी ज्यादा परवाह नहीं थी, बस वे वहां से निकल सकें। यात्रियों ने कहा कि गाजा में अकाल पड़ा था और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था। मेरे बच्चे लगभग मर ही गए थे। नवंबर में दक्षिण अफ्रीका पहुंचे एक 37 वर्षीय फलस्तीनी ने नाम न बताने की शर्त पर बात करते हुए कहा कि निकासी का आयोजन अल–मजद नामक एक कंपनी द्वारा किया गया था, जो खुद को एक मानवीय संगठन बताती है।

तालिबान से जंग पर पाकिस्तान ने दोस्त चीन का नहीं किया लिहाज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ संघर्ष खत्म करने के लिए चीन की मध्यस्थता स्वीकार करने या बातचीत की मेज पर आने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने चीन से कहा है कि वह अफगानिस्तान के तालिबान शासन के साथ बातचीत ना करने की नीति पर कायम रहेगा। पाक सरकार ने कहा है कि अफगानिस्तान की जमीन पर तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान जैसे समूहों को पनाह मिल रही है। ये गुट लगातार पाकिस्तान में आतंकी हमले कर रहे हैं। अफगानिस्तान इन गुटों को पनाह देने की नीति नहीं बदल रहा है तो पाकिस्तान भी बातचीत नहीं करेगा। इस्लामाबाद ने अपने करीबी सहयोगी बीजिंग की उस ताजा कूटनीतिक कोशिश को ठुकरा दिया है, जिसका मकसद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव कम करना था।

अमेरिका का साथ दो नहीं तो अंजाम भुगतोगे

रिपोर्ट

ट्रंप की नाटो देशों को धमकी, होर्मुज स्ट्रेट पर आना होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
वॉशिंगटन। अमेरिका ने नाटो सैन्य गठबंधन के सहयोगियों को ईरान के खिलाफ युद्ध में साथ देने के लिए धमकाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि नाटो को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने में उनकी मदद करनी होगी। नाटो देश ईरान के खिलाफ अमेरिका के साथ नहीं आते हैं तो उनको इसका अंजाम भुगतना होगा। ईरान ने अमेरिका और इजरायल के हमलों के जवाब में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों की आवाजाही रोक दी है। इससे दुनियाभर में तेल और गैस सप्लाई बुरी तरह प्रभावित है। ऐसे में इस समुद्री गलियारे को खुलवाने के लिए ट्रंप दुनिया से मदद मांग रहे हैं।
डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए है कि अगर अमेरिका के सहयोगी देश होर्मुज स्ट्रेट होर्मुज खोलने में मदद नहीं करते हैं तो नाटो का भविष्य बहुत बुरा हो सकता है। ट्रंप ने ईरान संकट को देखते हुए इस महीने के आखिर में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी बैठक को टालने का भी संकेत दिया है।
डोनाल्ड ट्रंप की ओर से चीन पर भी इस अहम जलमार्ग (होर्मुज स्ट्रेट) को खोलने में मदद करने का दबाव डाला जा रहा है। ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि चीन को हमारी मदद करनी चाहिए, क्योंकि उनको अपना 90 पीसदी तेल यहां से मिलता है। मैं निश्चित ही चीन जाने से पहले इस मुद्दे पर बीजिंग का रुख जानना चाहूंगा। मैं अपने दौरे को आगे बढ़ा सकता हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि जिन देशों को इस शिपिंग रूट से फायदा होता है, उनको इसे सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी है। सभी देश यह पक्का करने में मदद करें कि वहां कुछ गलत ना हो। डोनाल्ड ट्रंप ने इससे पहले चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, यूके से अपील की थी कि वह अपने जहाज होर्मुज स्ट्रेट में भेजें ताकि यहां से टैंकर सुरक्षित निकल सकें।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार यह कह रहे है कि होर्मुज स्ट्रेट को हर हाल में ईरान के खतरे से मुक्त कराया जाएगा। वह इस पर कई तरह के बयान दे रहे हैं और दुनिया से मदद मांग रहे हैं लेकिन अभी तक कुछ पुख्ता करने में नाकाम रहे हैं। ऐसे में वह सहयोगियों पर दबाव बना रहे हैं।
होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान के प्रायद्वीप के बीच स्थित समुद्री गलियारा है, जो 54 किलोमीटर चौड़ा है। ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद से इस जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात तकरीबन ठप हो गया है। इससे दुनिया के कई देशों में उर्जा संकट गहरा रहा है।
पश्चिम एशिया संकट को लेकर अमेरिका फंसता नजर आ रहा है। सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई और कई अन्य शीर्ष नेताओं की मौत के बाद भी ईरान झुकने के लिए तैयार नहीं है और लगातार पश्चिम एशिया में अमरिकी ठिकानों और इस्राइल पर हमले कर रहा है। अमेरिका और इस्राइल की ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिश भी सफल होती नहीं दिख रही है।

दो सप्ताह बाद ताइवान के पास चीनी युद्धक विमानों की वापसी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइवान। ताइवान की सेना को चीनी युद्धक विमानों पर नजर रखने की आदत हो गई है। द्वीप के पास चीन के कभी–कभी कुछ ही विमान दिखाई देते हैं, तो कभी–कभी उनकी संख्या कहीं अधिक हो जाती है। लेकिन चीन के फाइटर जेट लगातार ही आसमान में चक्कर लगाते नजर आते हैं।
चीन के ये फाइटर जेट जब लगभग दो सप्ताह तक द्वीप के आस–पास दिखाई नहीं दिए और इनका हवा में चक्कर काटना अचानक बंद हो गया, तो ताइवान के लिए यह सन्नाटा चौंकाने वाला और बेहद रहस्यमय हो गया था। ताइवान की सेना के मुताबिक, यह सन्नाटा तब टूटा जब पिछले 24 घंटों में पीएलए के पांच विमान ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास उड़ान भरते हुए देखे गए, जिनमें से कई जलमार्ग को विभाजित करने वाली मध्य रेखा के पास उड़ रहे थे। विश्लेषकों का कहना है कि चीनी हवाई गतिविधि में यह सबसे लंबा विराम था। ताइवान, जापान और दक्षिण चीन सागर के आसपास चीनी सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने वाले एक ओपन डाटा प्लेटफॉर्म, पीएलए ट्राकर के संस्थापक बेन लुईस ने सीएनएन को बताया, ताइवान के आसपास पीएलए की गतिविधि के मामले में हमने हाल के इतिहास में ऐसा कुछ भी नहीं देखा है।

ईरान के ड्रोन अटैक के बाद अबू धाबी में गिरी मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अबू धाबी। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। ईरान इजरायल और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले के साथ–साथ खाड़ी देशों पर भी मिसाइल और ड्रोन से हमले कर रहा है। सोमवार तड़के ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात के दुबई एयरपोर्ट के पास ड्रोन से अटैक किया, वहीं अब अबू धाबी में मिसाइल गिरने से एक व्यक्ति की मौत की खबर सामने आई है। दुबई के बाद अबू धाबी के अल बह्याह इलाके में एक नागरिक वाहन पर मिसाइल गिरी। इस घटना में एक फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गई। अबू धाबी के मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा, ष्अल बह्याह क्षेत्र में एक नागरिक वाहन पर मिसाइल गिरने की घटना में एक फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गई है। जनता को सलाह दी जाती है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें और अफवाहें या अपुष्ट जानकारी फैलाने से बचें। ईरान ने सोमवार सुबह दुबई एयरपोर्ट के पास अटैक किया। इस हमले के बाद फ्यूल टैंक में आग लग गई।

चाबहार सैन्य ठिकाने पर अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने किया हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
बलूचिस्तान। ईरान के दक्षिण–पूर्वी सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान की सीमा के पास चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थित है। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने इस बंदरगाह पर हमला किया है। अमेरिकी प्रसारक वॉयस ऑफ अमेरिका की फारसी सेवा के मुताबिक, अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र के पास एक पहाड़ पर स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। इस क्षेत्र के पीछे के इलाके में जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई।
अमेरिका का यह हमला ईरानी हमलों का जवाब और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकाबंदी के जवाब में माना जा रहा है। ईरान–अमेरिकी के बीच आज युद्ध का 17वां दिन है और अभी तक ये युद्ध थमता नजर नहीं आ रहा है।

■चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण

चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र मध्य एशिया को हिंद महासागर से जोड़ता है। 1992 में दक्षिण–पूर्वी ईरान के सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान की सीमा से सटे चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र की स्थापना की गई थी।
चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र, ओमान की खाड़ी के किनारे स्थित है, जिससे ईरान को हिंद महासागर तक आने के लिए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते की जरूरत नहीं पड़ती। भारत ने चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र में उद्योग स्थापित करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया। इन उद्योगों में एल्युमिनियम स्मेल्टर से लेकर यूरिया संयंत्र तक शामिल हैं।
चाबहार का अर्थ है चार झरने। यह बंदरगाह क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे के विकास का एक प्रमुख केंद्र है। चाबहार बंदरगाह भारत को अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरोप तक आसान पहुंच प्रदान करता है। यह बंदरगाह क्षेत्र व्यापारिक साझेदारों को 20 वर्षों तक कर में छूट, मुद्रा विनिमय की स्वतंत्रता और विदेशी निवेश के अवसर प्रदान करता है। भारत ने 2024 में ईरान के साथ 10 साल का एक कॉन्ट्रैक्ट साइन किया, जिसके तहत सरकारी कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड ने चाबहार में 370 मिलियन डॉलर के निवेश का वादा किया।

भारत के आरएसएस और रॉ को बैन किया जाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम ने आरएसएस और रॉ पर बैन की मांग की है। दुनिया में धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी के लिए बने कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से कहा है कि भारत के आरएसएस और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। कमीशन ने रिपोर्ट में आरएसएस और रॉ के कामकाज के तरीके पर सवाल उठाए हैं। यूएस के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग की भारत के लिए की गई सिफारिशों में आरएसएस और रॉ के खिलाफ लक्षित प्रतिबंधों के अलावा अमेरिका नागरिकों के उत्पीड़न के आधार पर भारत को हथियारों की बिक्री पर रोक लगाने की बात कही गई है।

Page Three

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

शिकायतों का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें: डीएम

जन संवाद

जिला कार्यालय सभागार में आयोजित हुआ जनसंवाद/जनता मिलन कार्यक्रम

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में प्रत्येक सोमवार को आयोजित किए जाने वाले जनसंवाद जनता मिलन कार्यक्रम के तहत आज जिला कार्यालय सभागार में आम जनमानस की समस्याओं को सुनने तथा उनके त्वरित निराकरण हेतु जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं।

जनता मिलन कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 40 शिकायतें दर्ज की गई, जिनमें से 16 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। शेष शिकायतों को आवश्यक कार्यवाही एवं निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया वही कुछ शिकायतों पर जिलाधिकारी द्वारा जांच समिति का गठन कर परीक्षण करवाने के निर्देश दिए है, जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता मिलन कार्यक्रम में प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान दरमोला निवासी संत लाल ने गांव के अंतर्गत थापला तोक में हुए रेलिंग एवं अन्य कार्यों का भुगतान न होने की शिकायत दर्ज कराई। वहीं बैंजी और गंगतल के ग्रामीणों ने गांव में नियमित तथा पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग रखी। लुठियाग के ग्रामीणों ने सोलर पंपिंग योजना को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए त्वरित कार्यवाही करने की बात कही।

न्यालसू की नंदा देवी ने उनका नाम खतौनी में दर्ज न होने की समस्या बताई, जबकि नगर पालिका रुद्रप्रयाग के वार्ड संख्या–2 निवासी राकेश बुटोला ने खेड़धार क्षेत्र में पेयजल समस्या से अवगत कराया। डुंगर निवासी गोविंद लाल, रमेश लाल, दिनेश लाल आदि ने बताया कि बीते वर्ष बादल फटने की घटना के बाद उनके आवासीय भवन रहने योग्य नहीं रह गए हैं तथा पीड़ित पांच परिवारों को अब तक मुआवजा नहीं मिल पाया है। नागजगई गांव की विजयलक्ष्मी पंवार ने तहसील बसुकेदार में तहसीलदार की तैनाती न होने से प्रमाण पत्रों के निर्गमन सहित अन्य आवश्यक कार्य प्रभावित होने की समस्या रखी। इसके अलावा कुलकांत चमोली ने वार्ड नंबर–1 अमसारी में हल्का मोटर वाहन मार्ग न होने की समस्या बताई, जबकि अपर बाजार निवासी हरीश लाल ने बरसात व बाजार का गंदा पानी उनकी दुकान में आने की समस्या से अवगत कराया।

डीएम ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता मिलन कार्यक्रम में प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और शिकायतों के निस्तारण की जानकारी जिला कार्यालय के साथ–साथ संबंधित शिकायतकर्ता को भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की ढिलाई या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

न्यूज डायरी

जनसुनवाई में पहुंचीं 70 शिकायतें, 38 का मौके पर निस्तारण

संवाददाता हरिद्वार। डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जनसुनवाई हुई। 70 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 38 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान राजस्व, भूमि विवाद, बिजली–पानी, राशन और अतिक्रमण से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। भारापुर की प्रधान कविता रानी ने बिजली की समस्या पर फोन न उठाने की शिकायत करते हुए लाइनमैन का तबादला मांगा। रणसुरा के अनीस अहमद, हसन और इमरान ने जोहड़ और नाले को कब्जामुक्त कराने की मांग की। टंडाटीरा के ओमपाल सिंह ने स्वामित्व योजना में नाम दर्ज न होने की समस्या उठाई। रावली महदूद के लोगों ने सिडकुल हाईवे से कॉलोनी तक कच्चे रास्ते को पक्का कराने की मांग रखी। मूलदासपुर के सुमित सैनी ने सिंचाई ट्यूबवेल की खराब मोटर ठीक कराने की गुहार लगाई।

मार्स इम्पैक्ट फंड ने कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने को अनुदान की घोषणा की

संवाददाता देहरादून। स्नैकिंग, पेट केयर और फूड एंड न्यूट्रिशन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी मार्स, इनकॉरपोरेटेडने अपने समाज–सेवी मंच मार्स इम्पैक्ट फंड के माध्यम से 7,26,000 अमेरिकी डॉलर के वैश्विक अनुदान की घोषणा की है। यह फंड कंपनी की सामाजिक पहल है, जिसका उद्देश्य उन जगहों पर सकारात्मक और लंबे समय तक असर डालने वाले काम करना है, जहां कंपनी काम करती है। इस वैश्विक पहल के तहत भारत को मुख्य फोकस मार्केट बनाया गया है। यहाँ ह्यूमन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स के साथ मिलकर सड़कों पर रहने वाले कुत्तों की संख्या को वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित करने का काम किया जाएगा। साथ ही, जरूरतमंद क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाओं की सुविधा बढ़ाई जाएगी और नगर निगम और पशु विशेषज्ञों की क्षमता को मजबूत किया जाएगा।

मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने हल्द्वानी में अपना पहला शोरूम लॉन्च किया

संवाददाता हल्द्वानी । विश्वसनीय ज्वेलरी ब्रांड मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने आज हल्द्वानी में अपने पहले शोरूम का भव्य उद्घाटन किया। इस नए शोरूम के साथ ब्रांड ने उत्तराखंड में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करते हुए उत्तर भारत में अपने रिटेल नेटवर्क का विस्तार किया है। इस लॉन्च के बाद अब राज्य में मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के दो शोरूम और उत्तर क्षेत्र में कुल 47 शोरूम संचालित हो रहे हैं। हल्द्वानी के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र में स्थित यह नया शोरूम लगभग 7,000 वर्ग फीट क्षेत्रफल में जी प्लस 1 फ्लोर पर फैला हुआ है।

समाज में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश

पंचम दिवस पर स्वच्छता व जागरूकता अभियान आयोजित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के सात दिवसीय दिन–रात विशेष शिविर के पंचम दिवस के अवसर पर स्वयंसेवियों द्वारा स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान नमामि गंगे से जुड़े स्वयंसेवियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का आयोजन एनएसएस नोडल अधिकारी श्रीकांत नौटियाल तथा सहायक नोडल अधिकारी डॉ. आशीष नौटियाल के निर्देशन में किया गया।

अभियान के तहत स्वयंसेवियों ने कलेक्ट्रेट मार्ग पर स्वच्छता अभियान चलाते हुए आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया। इस दौरान एनएसएस नोडल अधिकारी श्रीकांत नौटियाल ने सभी स्वयंसेवकों को स्वच्छता की शपथ भी दिलाई और समाज में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित बौद्धिक सत्र में राजकीय महाविद्यालय रुद्रप्रयाग के जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. विशाल दत्ता ने स्वयंसेवियों को जल संरक्षण, स्वच्छता, जैव विविधता तथा स्वरोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशीष नौटियाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. गोपी प्रसाद, सुश्री अंविता सिंह सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवी उपस्थित रहे, जिनमें तुषार सिंह, अवधेश सिंह, शशांक, रिया और अनीशा सहित अन्य छात्र–छात्राएं शामिल हुए।

23 मई को खुलेंगे श्री हेमकुंड साहिब के कपाट

संवाददाता देहरादून। सचिवालय में सोमवार का श्री हेमकुंड साहिब मैनेजमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्य सचिव श्री आनंद बर्धन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर बिंद्रा ने मुख्य सचिव को अवगत कराया कि श्री हेमकुंड साहिब के कपाट आगामी 23 मई को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे। भेंट के दौरान आगामी यात्रा व्यवस्थाओं तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं से संबंधित विषयों पर संक्षिप्त चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में जानकारी लेते हुए हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया तथा इसके लिए स्थानीय प्रशासन को भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डीएम ने जनता दर्शन में प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

संवाददाता

■ जनता दर्शन में प्राप्त हुई 162 शिकायतें

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशो के अनुपालन में सोमवार को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता दर्शन में आज 162 शिकायतें प्राप्त हुई। अपर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता दर्शन में प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

जनता दर्शन में ईदगाह निवासी वरिष्ठ नागरिक दुलीचंद ने जनता दरबार में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर बताया कि उन्होंने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कचहरी स्थित एक स्टाम्प वेंडर टाइपिस्ट को अपने दस्तावेज दिए थे। आरोप है कि टाईपिस्ट ने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर उनसे 11,500 रुपये ले लिए और एक माह बाद प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया। जब वह आधार कार्ड अपडेट कराने गए तो नगर निगम में जांच के दौरान जन्म प्रमाण पत्र को फर्जी बताते हुए निरस्त कर दिया गया। अपने पैसे वापस मांगने पर धमकाया जा रहा है, जिसपर अपर जिलाधिकारी ने संबंधित नगर निगम एवं पुलिस को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मोथोरोवाला निवासी एक बुजुर्ग दंपति ने गुहार लगाई कि उनके पुत्र तथा पुत्रवधू द्वारा मारपीट, मानसिक उत्पीड़न एवं प्रताड़ना किया जा रहा है जिसका डीएम कोर्ट में भरणपोषण एक्ट में वाद दर्ज है। उप जिलाधिकारी (सदर) द्वारा थाना नेहरू कॉलोनी को कार्यवाही हेतु पत्र प्रेषित किया गया, किंतु थाना नेहरू कॉलोनी तथा बाईपास चौकी के बीच बार–बार भेजे जाने से अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रकरण का संज्ञान लेते हुए अपर जिलाधिकारी ने सीओ डालनवाला को मामले में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा बुजुर्ग दंपति की शिकायत का नियमानुसार निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

लालढंग क्षेत्र में गैस की कमी नहीं, फिर भी उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहे सिलेंडर

संवाददाता हरिद्वार। लालढांग क्षेत्र में केवाईसी न होने के कारण करीब 3500 से अधिक उपभोक्ता परेशानी में पड़ गए हैं। एलपीजी की उपलब्धता के बावजूद केवाईसी के अभाव में ऐसे उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। लालढांग स्थित राणा गैस एजेंसी से लगभग 12 हजार से अधिक उपभोक्ता जुड़े हैं। करीब 3500 से ज्यादा उपभोक्ताओं की केवाईसी पूरी नहीं होने के कारण उनके यहां सप्लाई फिलहाल रोक दी गई है। अचानक लागू हुई नई व्यवस्था के कारण कई उपभोक्ता बुकिंग नहीं करा पा रहे हैं। बताया जा रहा कि गैस रिफिलिंग के लिए करीब 25 दिन का समय लगने के कारण एजेंसी पर उपभोक्ताओं की कतारें लग रही हैं। ऑनलाइन बुकिंग के बिना सिलेंडर नहीं दिए जाने से लोग चक्कर काट रहे हैं।

जीवन का कार्यक्रम है रचनात्मक, विनाशात्मक नहीं, मनुष्य का कर्तव्य है अनुराग, विराग नहीं। -अज्ञात।

पेज थ्री
www.page3news.in

पानी की गुणवत्ता और नियमितता

यदि सार्वजनिक जल प्रशासन को मजबूत नहीं किया गया, तो पानी जैसी बुनियादी आवश्यकता भी गहरी असमानता और संकट का कारण बन सकती है। यह समय है कि राज्य, समाज और नागरिक मिलकर इस प्रवृत्ति पर पुनर्विचार करें और पानी को फिर से भरोसे, समानता और सार्वजनिक जिम्मेदारी के दायरे में वापस लाएं।

डॉ. सत्यवान सौरभ।।

सार्वजनिक जल प्रशासन की समस्याएँ केवल तकनीकी नहीं हैं वे संस्थागत और राजनीतिक भी हैं। जल प्रबंधन से जुड़े विभाग अक्सर संसाधनों की कमी, कुशल मानवबल के अभाव और आपसी समन्वय की समस्या से जूझते हैं। इसके अलावा, जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सेवा को राजनीतिक प्राथमिकता भी अक्सर नहीं मिलती। चुनावी घोषणाओं में बड़े बांध, नदियों को जोड़ने की परियोजनाएं या स्मार्ट शहरों की बातें तो होती हैं, लेकिन रोजमर्रा की जल आपूर्ति को सुधारने पर अपेक्षाकृत कम ध्यान दिया जाता है। परिणामस्वरूप, छोटी–छोटी लेकिन महत्वपूर्ण समस्याएं वर्षों तक अनसुलझी रहती हैं।

निजीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति भी इस संकट को गहरा कर रही है। जब सार्वजनिक प्रणालियाँ कमजोर होती हैं, तो समाधान के रूप में निजी कंपनियों को आगे लाया जाता है। हालांकि कुछ मामलों में इससे दक्षता बढ़ी है, लेकिन अक्सर इसका लाभ केवल उन लोगों को मिलता है जो भुगतान कर सकते हैं। पानी जैसे आवश्यक संसाधन का बाजार आधारित वितरण सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। बोतलबंद पानी निजीकरण का सबसे स्पष्ट उदाहरण है, जहां स्वच्छ पानी एक मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक उपभोक्ता वस्तु बन जाता है।

इस पूरी स्थिति का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बोतलबंद पानी पर निर्भरता धीरे–धीरे सामान्य होती जा रही है। लोग इसे समस्या के लक्षण के बजाय समाधान के रूप में देखने लगे हैं। इससे सार्वजनिक दबाव कम होता है और प्रशासनिक सुधार की मांग कमजोर पड़ जाती है। जब नागरिक स्वयं वैकल्पिक व्यवस्था कर लेते हैं, तो राज्य पर जवाबदेही का दबाव घट जाता है। यह चुपचाप स्वीकार की गई असफलता भविष्य में और बड़े संकटों को जन्म दे सकती है।

आवश्यकता इस बात की है कि जल को फिर से सार्वजनिक भलाई के रूप में स्थापित किया जाए। इसके लिए सबसे पहले नल के पानी की गुणवत्ता और नियमितता सुनिश्चित करनी होगी। पारदर्शी जल परीक्षण, परिणामों की सार्वजनिक उपलब्धता और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था नागरिकों का भरोसा बहाल कर सकती है। साथ ही, जल अवसंरचना में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी चाहे वह पाइपलाइन की मरम्मत हो, सीवेज प्रबंधन हो या जल शोधन संयंत्रों का आधुनिकीकरण। इसके साथ–साथ जन जागरूकता भी महत्वपूर्ण है।

लोगों को यह समझना होगा कि बोतलबंद पानी दीर्घकालिक समाधान नहीं है। पर्यावरणीय और सामाजिक लागतों के बारे में जानकारी बढ़ाकर उपभोक्ता व्यवहार को बदला जा सकता है। स्कूलों, सामुदायिक संगठनों और स्थानीय निकायों की भूमिका इसमें अहम हो सकती है।

वैचारिक अपराधी

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। दीवारों में चुने गए वे बालक भारत की आत्मा में आज भी जीवित हैं। यह संदेश है कि सनातन चेतना को मिटाने के लिए केवल सेना नहीं, समूची सभ्यता को मारना पड़ेगा और यह असंभव है।
जो लोग आज इन बलिदानों को तोड़ मरोड़कर प्रस्तुत करते हैं, जो गुरु को मूर्तिभंजक बताने का दुस्साहस करते हैं, वे केवल अज्ञानी नहीं–वैचारिक अपराधी हैं। जो चंडी चरित्र रचता है, जो माता की मूर्ति को शब्दों में प्राण देता है "भाल निपट विशाल सकल विध्न विमोचनी" उसे मूर्तिपूजा का विरोधी कहना षड्यंत्र की चरम सीमा है। गुरु गोबिन्द सिंह जी का संघर्ष किसी समुदाय से नहीं था, उनका युद्ध अधर्म की मानसिकता से था। उनका खड्ग मनुष्य पर नहीं, अन्याय पर उठता था।

...शेष कल

संपादकीय

संतुलित नीति

भारत ने संतुलित नीति अपनाई। शंघाई सहयोग संगठन में ईरान को पूर्ण सदस्यता, क्वाड में अमेरिका से साझेदारी। इजरायल से 2.5 बिलियन रक्षा सौदे ड्रोन, मिसाइल। लेकिन ईरान को कभी नहीं छोड़ा। 2025 ब्रिक्स शिखर में डी–डॉलराइजेशन और ऊर्जा सहयोग पर सहमति। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्रीय स्थिरता पर नजर रखने की बात कही। चाबहार परियोजना जारी। वहीं मोदी सरकार की चुप्पी आलोचना का कारण भी बनी। जी20 (2023) में एक पृथ्वी, एक परिवार का नारा दिया, लेकिन ईरान संकट पर मौन। अबू धाबी अब्राहम समझौते समर्थित, लेकिन ईरान अलग–थलग। आज का क्षण केवल शोक या प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण निर्णय का है। पश्चिम एशिया की अस्थिरता यह सिखाती है कि शक्ति के प्रयोग से विचार दबते नहीं, बल्कि और प्रखर होते हैं। भारत के लिए आवश्यक है कि वह भावनाओं और दबावों से ऊपर उठकर अपने दीर्घकालिक हितों, क्षेत्रीय शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पक्ष में स्पष्ट व संतुलित रुख अपनाए। संवाद, बहुपक्षीय सहयोग और ऊर्जा–व्यापार की निरंतरता भारत की रणनीतिक मजबूती हैं। विश्वगुरु बनने का अर्थ तटस्थ चुप्पी नहीं, बल्कि संकट में न्याय, स्थिरता और आत्मसम्मान के साथ नेतृत्व करना है। यही समय की माँग है।

आज ईरान संकट में डूबा है। भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वैश्विक तानाशाह अमेरिका को रोकना होगा वेनेजुएला के बाद ईरान, आगे कौन होगा?

वेनेजुएला के बाद ईरान

डॉ. प्रियंका सौरभ।।

ईरानी राज्य मीडिया की आधिकारिक घोषणा ने दुनिया हिला दी सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई अमेरिका–इजरायल के हवाई हमलों में तेहरान में शहीद हो गए। सोशल मीडिया की वह पोस्ट सही साबित हुई खघमेनेई का जाना एक युग का अंत है। भारत ने अपना एक सच्चा दोस्त खो दिया है। उनके नेतृत्व में ईरान ने पाकिस्तान के खिलाफ हमारा साथ दिया, कश्मीर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के पक्ष में वोट किया, ऊर्जा क्षेत्र में सुरक्षा प्रदान की और सस्ता तेल उपलब्ध कराया। आज ईरान संकट में डूबा है। भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वैश्विक तानाशाह अमेरिका को रोकना होगा वेनेजुएला के बाद ईरान, आगे कौन होगा?

भारत–ईरान संबंध प्राचीन जड़ों वाले हैं। सिंधु घाटी सभ्यता और फारस साम्राज्य के व्यापार से लेकर आज का चाबहार बंदरगाह तककृयह मित्रता इतिहास की गवाह है। 1950 के दशक में गैर–संरेखित आंदोलन ने औपचारिक रूप दिया। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद उतार–चढ़ाव आए, लेकिन 1989 से खामेनेई के नेतृत्व ने स्थिरता लाई। कश्मीर पर उनका रुख अटल रहा। 1971, 1994 और 2017 के संयुक्त राष्ट्र मतदान में ईरान ने पाकिस्तान के प्रचार को नकारा, भारत का साथ दिया। जब अधिकांश

मुस्लिम देश पाक के साथ थे, ईरान ने कहा कश्मीर भारत का आंतरिक मामला। यह कूटनीतिक जीत थी।

पाकिस्तान के खिलाफ ईरान का समर्थन प्रत्यक्ष था। बलूचिस्तान सीमा विवादों में ईरान ने पाक को कड़ा संदेश दिया। अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ भारत को सहयोग मिला। चाबहार बंदरगाह इसका प्रतीक बना। 2016 में प्रधानमंत्री मोदी की पहल से शुरू 500 मिलियन की यह परियोजना पाक के ग्वादर को चुनौती देती है। मध्य एशिया, अफगानिस्तान तक वैकल्पिक मार्ग खोलती है। 2024 तक भारत ने 370 मिलियन निवेश किया। 2025 में इसे भारत–मध्य पूर्व–यूरोप आर्थिक कॉरिडोर से जोड़ा गया। खामेनेई ने इसे व्यक्तिगत रूप से समर्थन दिया।

ऊर्जा सहयोग भी ऐतिहासिक। 2005–2015 में ईरान भारत को 25 प्रतिशत क्रूड ऑयल सप्लाई करता था, बाजार से 20 प्रतिशत सस्ता। अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद अनौपचारिक रुपया–तेल व्यापार से भारत ने 12 बिलियन बचत की। 2023 में द्विपक्षीय व्यापार 2.5 बिलियन पहुंचा। ईरान ने भारत से चावल, चाय, दवाइयां और इंजीनियरिंग सामान खरीदा। खामेनेई ने कहा था भारत हमारा सांस्कृतिक भाई है।

ईरान का वर्तमान संकट गहरा है। अमेरिकी प्रतिबंधों से अर्थव्यवस्था ध्वस्तकृमुद्रास्फीति 45 प्रतिशत, बेरोजगारी 15 प्रतिशत, जीडीपी 12 प्रतिशत सिकुड़ी। परमाणु समझौता (2015) विफल, इजरायल के साइबर हमले और हवाई कार्रवाई बढ़ी। हूती विद्रोहियों को समर्थन से लाल सागर में शिपिंग बाधित, वैश्विक व्यापार को नुकसान। आंतरिक स्तर पर महसा अमिनी आंदोलन (2022) से महिलाओं का गुस्सा भड़का। खामेनेई की शहादत के बाद उत्तराधिकार युद्ध शुरू। विशेषज्ञ परिषद तीन सदस्यीय अस्थायी परिषद बनाएगी।

संभावित उत्तराधिकारी मजलिस स्पीकर मोहम्मद बघर गलिबाफ या आइआरजीसी प्रमुख। लेकिन सैन्य तख्तापलट का खतरा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे न्याय का दिन कहा। इजरायल ने जश्न मनाया। यह एकतरफा तानाशाही है। वेनेजुएला का तेल संकट, सीरिया का विनाश अब ईरान। अगला निशाना यमन या उत्तर कोरिया?

अष्टयोग-5068

		4	3			1
2	34	7	30		28	
		1	6		5	4
3	31		32	6	33	
	5	3			2	7
5	28		33	7	38	
1		2		5		6

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5067 का हल

3	1	4	6	2	5	7
5	32	7	32	1	30	3
1	6	5	4	3	7	2
2	35	3	35	7	32	6
7	5	6	3	4	2	1
6	34	1	34	5	28	4
4	3	2	7	6	1	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

प्रदूषण कर गरीबों पर पड़ सकता है भारी

मोहन। वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण–हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।
परंतु इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न–आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न–आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए।

गले में रुद्राक्ष और माथे पर त्रिपुंड, औरा ने गाया शिव तांडव स्त्रोत्रम

संगीत एक ऐसा माध्यम है, जो हर किसी को किसी से जोड़ ही देता है। हर तरह का म्यूजिक लोगों की सीखने की प्रेरणा बन चुका है। मशहूर के–पॉप स्टार ऑरा उर्फ पार्क मिन–जून, जो साउथ कोरिया से हैं, उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह भारतीय आध्यात्म का सबसे पावरफुल मंत्र शिव तंडव स्त्रोत्रम पर परफॉर्म कर रहे हैं और इसे देख हर कोई हैरान हो रहा है। औरा भले ही विदेशी हैं और जाने–माने पॉप स्टार हैं, लेकिन उन्हें भारतीय जनता इसलिए भी जानती है क्योंकि वह सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 का हिस्सा रह चुके हैं। उन्होंने अपने भक्तिभाव और उर्जा के साथ इस मंत्र को गाया है और उस पर परफॉर्म किया है। उसमें रैप का भी तड़का लगाया है। जिस कारण वह लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनके फैंस भी बेहद खुश और शॉक्ड हैं। क्योंकि उन्होंने इसकी कभी कल्पना भी नहीं की थी। साउथ कोरियाई रैपर ने संस्कृत के मंत्र का साफ उच्चारण किया है। ट्रेडिशनल टोन में इसे रैप के साथ जोड़ा है। इसमें वह अपनी आवाज के साथ इस पर ग्रुप डांस भी कर रहे हैं। एक जगह वह वेस्टर्न आउटफिट में दिखते हैं तो दूसरे ही पल में वह बर्फ की चादर से ढके पहाड़ पर अलग ही गेटअप में नजर आते हैं। इसमें उनके हाथ और गले में रुद्राक्ष की माला और माथे पर त्रिपुंड चंदन लगा हुआ है। जिसमें उन्हें पहचानना मुश्किल है। ये गाना 28 फरवरी को उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था। जिस पर सभी ने प्यार बरसाया था। और अब वायरल हो रहा है। औरा ने इसको शेयर करते हुए लिखा था, भारत में रहते हुए मुझे तीन साल हो गए हैं। और मैं अभी भी सीख रही हूं। यह केवल धर्म के बारे में नहीं है।

संजय दत्त को पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर ने दिया गोल्ड प्लेटेड आईफोन 17

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त के करोड़ों फैंस हैं। न सिर्फ भारत में, बल्कि दुनियाभर में उनके चाहने वाले हैं। हाल ही में उन्हें ऐसे ही एक फैन से नायाब और बेशकीमती तोहफा मिला है। उन्हें पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर काशिफ जमीर से सोने की परत चढ़ा पचीवदम–17 मिला है, जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, संजय दत्त की पाकिस्तानी फैन से मुलाकात दुबई में हुई है। जहां पर उसने बॉलीवुड एक्टर को ये मोबाइल गिफ्ट किया है। इंटरनेट पर वायरल हो रहे दोनों की फोटो में वो बेहद खुश नजर आ रहे हैं। एक वीडियो भी है, जिसमें इन्फ्लुएंसर, संजय के सामने बॉक्स खोलता है और वह बहुत उत्सुकता के साथ उसे देख रहे होते हैं। फिर फैन उसे निकालकर उन्हें हाथ में देता है। इस फोन की सिर्फ यही खास बात नहीं कि इस पर सोने की परत चढ़ी है।

रणबीर कपूर की रामायणम में सीता बनना चाहती थीं डोनल बिष्ट

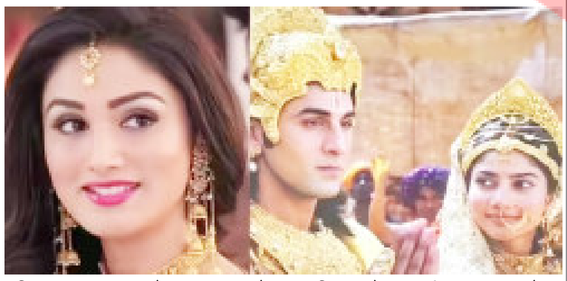

बिग बॉस 15 से मशहूर डोनल बिष्ट ने रणबीर कपूर के साथ रामायण में शूर्पणखा के रोल के लिए ऑडिशन देने की बात बताकर फैंस को चौंका दिया। उन्हें यकीन ही नहीं हुआ जब जाने–माने कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने नितेश तिवारी की इस भव्य फिल्म के लिए सीधे उनसे संपर्क किया। डोनल बिष्ट ने अपने रिएक्शन को याद करते हुए बताया, मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि कोई मुझे शूर्पणखा के लिए ऑडिशन देने बुलाएंगे। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि प्रोडक्शन हाउस ने बहुत सीमित ऑडिशन रखे थे और खास तौर पर उन्हें इस किरदार के लिए बुलाया है। उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने बाकी सारे कैरेक्टर के ऑडिशन हो चुके थे। डोनल ने कहा, मुझे लगा आप मुझे सीता के ऑडिशन के लिए फोन कर रहे हो, फिर उन्होंने कहा कि अभी तक सीता लॉक नहीं हुई है। मैं ऑडिशन देने गई शूर्पणखा के लिए, फिर पता चला कि साई पल्लवी लॉक हो गई हैं सीता के लिए। महान फिल्म रामायण में रणबीर कपूर ने राम की भूमिका निभाई है, साई पल्लवी ने सीता की भूमिका निभाई है। केजीएफ फेम यश ने रावण की भूमिका में कदम रखा। सनी देओल और रवि दुबे हनुमान और लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, काजल अग्रवाल और रकुल प्रीत सिंह मंदोदरी और शूर्पणखा का किरदार निभाएंगी।

समय पर नहीं आ सकते तो फिल्म मत करो

प्रियदर्शन ने हाल ही एक इंटरव्यू में बताया कि जब उन्होंने गोविंदा को श्भागमभागश में साइन किया था, तो उन्हें यही चिंता खाए जा रहे थे कि अगर सेट पर समय पर नहीं आए तो? या पहुंचे ही नहीं तब? लेकिन प्रियदर्शन तब हैरान रह गए, जब देखा कि गोविंदा सेट पर एकदम टाइम से पहुंचते थे।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

प्रियदर्शन ने बताया गोविंदा से क्या कुछ कहा था

प्रियदर्शन ने कहा, मुझे पद्म श्री अवॉर्ड मिला, और एक इंटरव्यू में मुझसे पूछा गया कि क्या यही मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैंने कहा– नहीं, मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि तो गोविंदा और सलमान खान को सुबह 5 बजे बुलाकर फिल्म को समय पर पूरा करना है। मैंने गोविंदा से कहा कि मैंने तुम्हारे बारे में ये सब बातें सुनी हैं, इसलिए अगर तुम समय पर नहीं आ सकते तो फिल्म मत करो। लेकिन मैं आपको बता दूं कि वह हर दिन समय पर आता था। मुझे उसके साथ काम करने में बहुत मजा आया।

गोविंदा से कहा- डायलॉग के लिए नीरज है

प्रियदर्शन ने फिर गोविंदा की एक आदत का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि एक्टर अकसर ही दी गई लाइनों में इम्प्रोवाइजेशन करते थे और खुद की लाइनें जोड़ लेते थे। वह बोले, श्गोविंदा अपनी खुद की लाइनें जोड़ देते थे, इसलिए मैंने उनसे कहा कि मैं पहले से ही नीरज वोहरा (स्क्रीनराइटर) को पेमेंट दे रहा हूं, मुझे किसी और राइटर की जरूरत नहीं है।

कई एक्टर्स-डायरेक्टर्स को करवाया घंटों इंतजार

मालूम हो कि गोविंदा ने अतीत में कई एक्टर्स को फिल्ममेकर्स को घंटों–घंटों इंतजार करवाया है। उन्होंने रजनीकांत और अमिताभ बच्चन को भी एक बार इंतजार करवाया था। कई सेलेब्स ने गोविंदा की इसी आदत के बारे में कई बार बात की है। एक बार विजय पाटकर ने फिल्मीमंत्र मीडिया को बताया था कि डायरेक्टर मुकुल आनंद सनसेट के सीन में पूरे परिवार को टहलते हुए दिखाना चाहते थे, लेकिन तीन दिन तक शूटिंग नहीं हो पाई क्योंकि गोविंदा सेट पर नहीं थे। रजनीकांत और बच्चन साहब सभी सेट पर मौजूद थे। चौथे दिन निर्देशक ने उनसे दोबारा अनुरोध किया और वह आ गए। सभी उनका इंतजार करते रहे क्योंकि वे आ ही नहीं रहे थे।

अबू मलिक को भी गोली देकर हो गए थे चंपत

इसी तरह कुछ समय पहले म्यूजिक कंपोजर अबू मलिक ने बताया था कि कैसे गोविंदा ने पहले अपने जीजा के गांव में स्टेज शो करने को कहा। उसके लिए अबू मलिक को भी मना लिया, लेकिन एनमौके पर गायब हो गए और पहुंचे ही नहीं...जबकि शो के लिए भारी भीड़ जमा हो चुकी थी। तब अबू मलिक को अपने भाई डब्बू मलिक को गोविंदा के गेटअप में स्टेज पर भेजना पड़ा था।

गोविंदा ने सेट पर लेट आने की बताई थी यह वजह

वहीं, एक बार मुकेश खन्ना के यूट्यूब चौनल पर गोविंदा ने सेट पर लेट आने की वजह बताते हुए कहा था, श्मैं दिलीप कुमार का शिष्य था। मैं देर से आने में विश्वास नहीं करता था। मैं खुद को अच्छी तरह से तैयार करता था। क्या आपने कभी क्लासिकल म्यूजिक का कोई कार्यक्रम देखा है? वो प्रेजेंटेशन देने से पहले खुद को अच्छी तरह से तैयार करते हैं। जब तक मैं खुद को अच्छी तरह से तैयार नहीं करता था, मैं सेट पर नहीं पहुंचता था। मैंने आज तक इस बात को फॉलो किया है। मैं एक फिल्म सेट से दूसरे फिल्म सेट पर जाता रहता था।

राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश का दिखेगा रोमांस

राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश स्टारर रफ्तार की रिलीज डेट सामने आई है। इसका एक पोस्टर जारी करके मेकर्स ने ऐलान किया है कि ये किस दिन थिएटर्स में दस्तक देगी।

राजकुमार राव ने पोस्ट कर लिखा, महत्वाकांक्षा ने इसे बनाया और लालच इसकी परीक्षा लेगा। रफ्तार 24 जुलाई को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर श्कम्पा फिल्मश के तहत प्रोड्यूस कर रही हैं।

फिल्म रफ्तार की कहानी

पोस्ट शेयर करने के बाद राजकुमार के दोस्त और साथी कलाकारों ने प्रतिक्रिया दी। अभिनेता अनूप सोनी, मुकेश छाबरा, करिश्मा शर्मा और परमवीर चीमा ने कमेंट सेक्शन पर इमोजी शेयर कर प्रतिक्रिया दी। इस फिल्म के जरिए निर्देशक ने शिक्षा और स्टार्ट–अप उद्योग की पृष्ठभूमि में प्यार, लालच और महत्वाकांक्षा पर जोर दिया है। फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ते स्टार्ट–अप और दो महत्वाकांक्षी लोगों (राजकुमार और कीर्ति) के बीच के रिश्ते के इर्द–गिर्द घूमती है, जहां पैसा और ताकत के चलते प्यार और लालच का टकराव होता दिखेगा।

कीर्ति सुरेश की दूसरी हिंदी फिल्म है रफ्तार

इस फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश के अलावा, अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि, कीर्ति सुरेश की ये दूसरी हिंदी फिल्म होगी, जिसमें वह राजकुमार के साथ नजर आएंगी। अब देखना होगा कि फैंस दोनों की जोड़ी को कितना पसंद करते हैं। वह इससे पहले साल 2024 की फिल्म श्बेबी जॉनश में नजर आई थी। इस फिल्म का निर्देशन ए. कलीस्वरन ने किया था और यह तमिल फिल्म थेरी का रीमेक थी।

राजकुमार राव की फिल्मों का बह्क्स अह्फिस पर हाल

राजकुमार राव की इस फिल्म के लिए फिलहाल मैदान साफ है क्योंकि धमाल 4 की रिलीज डेट 3 जुलाई है। वहीं अल्फा 10 जुलाई को आएगी। इसके बाद दूर–दूर तक कोई दूसरी हिंदी फिल्म नहीं है। जिससे इसकी कमाई पर असर नहीं पड़ेगा। हालांकि एक्टर की पुरानी मूवीज के कलेक्शन पर नजर डाला डाए तो वह कुछ खास कमाल नहीं कर पाई हैं। 2025 में आई मालिक फ्लॉप रही थी, उसने सिर्फ 19.20 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, भूल चूक माफ भी 74.18 करोड़ कमाकर एवरेज रही थी। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने भी 39.56 करोड़ रुपये का बिजनेस कया था।

थायरॉइड के कारण क्या मेंटल हेल्थ बिगड़ सकती है?

ज्यादातर लोग इस बात से अपरिचित हैं कि थायरॉइड के कारण न सिर्फ शरीर की कार्यप्रणाली बल्कि मेंटल हेल्थ पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। डॉक्टर हिमिका चावला ने समझाया कि कैसे थायरॉइड ग्रंथि में गड़बड़ी होने पर डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी समस्याएं जन्म ले सकती हैं।

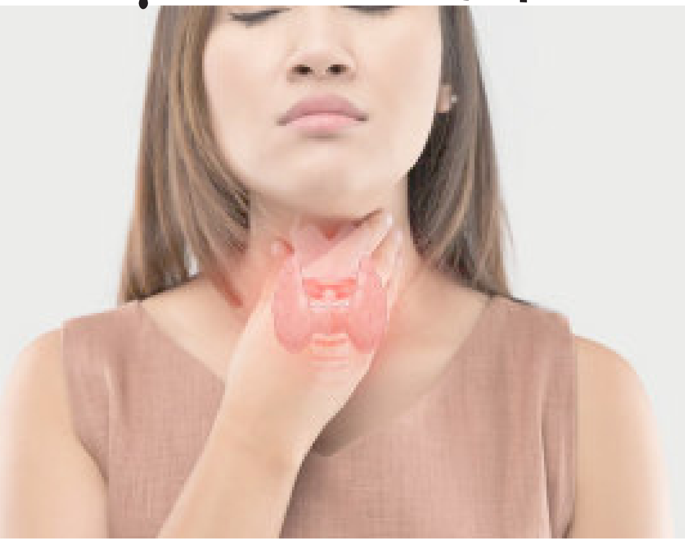

क्या है थायरॉइड?

थायरॉइड गर्दन के निचले हिस्से में स्थित एक छोटी तितली के आकार की ग्रंथि है। इससे निकलने वाले हार्मोन मेटाबॉलिज्म, ऊर्जा के स्तर, दिल की धड़कन और शरीर के तापमान को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही ये दिमाग के काम करने और भावनात्मक सेहत के संचालन में भी अहम भूमिका निभाते हैं। थायरॉइड ग्रंथि अगर ठीक से काम न करे, तो इससे मेंटल हेल्थ पर असर पड़ना शुरू हो जाता है।

थायरॉइड की समस्या आज के समय में काफी ज्यादा आम हो चुकी है। बावजूद इसके ज्यादातर लोग इस बात से अभी भी अंजान ही हैं कि इस ग्रंथि से जुड़ी गड़बड़ी मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालती है। सोचने में परेशानी, डिप्रेशन, मूड में बदलाव जैसी कई चीजें थॉयरॉइड कार्यप्रणाली में समस्या का नतीजा हो सकते हैं। मेरे पास अक्सर ऐसे मरीज आते हैं, जो किसी न किसी प्रकार के मेंटल हेल्थ स्ट्रगल का सामना कर रहे होते हैं और जब हम उनके टेस्ट करवाते हैं, तो स्थिति बिगड़नी की वजह थायरॉइड ग्लैंड में गड़बड़ी निकलकर आती है।

कौन सी चीजें थायरॉइड पर डालती हैं असर

हाशिमोटो थायरॉइडाइटिस और ग्रेव्स रोग जैसी ऑटोइम्यून डिजीज थायरॉइड की कार्यप्रणाली में गड़बड़ी के सबसे आम कारणों में शामिल हैं। इसके अलावा कुछ खास दवाओं का सेवन भी इसे बिगाड़ सकता है। थायरॉइड को बिगाड़ने में निम्नलिखित स्थितियां भी जिम्मेदार साबित हो सकती हैं जैसे आयोडीन का असंतुलन, क्रोनिक स्ट्रेस, हार्मोनल चेंज, परिवार में थायरॉइड हिस्ट्री, मेनोपॉज, प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल चेंज, डिलीवरी के बाद होने वाला हार्मोनल चेंज और इनके चलते व्यक्ति को अपने भावनात्मक स्वास्थ्य और सोचने–समझने की क्षमता पर नकारात्मक असर पड़ता महसूस हो सकता है।

थायरॉइड की जटिलताओं को कैसे करें कम

थायरॉइड से जुड़ी सभी बीमारियों को रोका नहीं जा सकता, लेकिन समय पर पहचान और हेल्दी लाइफस्टाइल से इससे जन्म लेने वाले कॉम्प्लिकेशन्स को कम जरूर किया जा सकता है। कुछ व्यक्तियों को थायरॉइड ग्लैंड से जुड़ी समस्याओं के चलते पैनिक अटैक या बहुत ज्यादा भावनात्मक संवेदनशीलता महसूस करना जैसी समस्याओं का सामना भी करना पड़ सकता है। आमतौर पर ये सारे लक्षण मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स से मेल खाते हैं, इसलिए अक्सर ही थायरॉइड की इनमें भूमिका को नजरअंदाज कर दिया जाता है। हेल्दी डाइट लें, जिसमें आयोडीन, सेलेनियम और जिंक तत्व शामिल हों। ये थायरॉइड को हेल्दी बनाए रखने में मददगार साबित होते हैं। लक्षण दिखने पर तुरंत मेडिकल सहायता लें। इनके इलाज में देरी मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ज्यादा नकारात्मक असर डालती है।

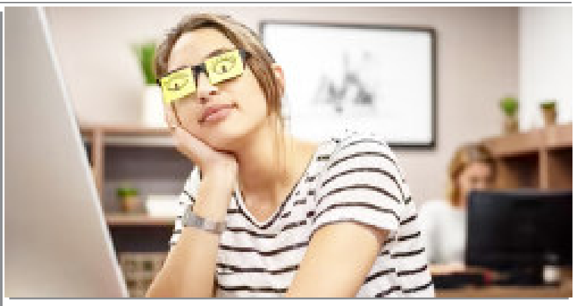

इंटरनेशनल ट्रैवल के बाद क्यों होता है जेट लैग? राहत पाने का तरीका

इंटरनेशनल ट्रैवल करने वाले लोग अक्सर मेरे पास जेट लैग की शिकायत लेकर आते हैं। टाइम जोन पूरी तरह बदल जाने पर नेचुरल बॉडी रिदम बिगड़ जाती है और इस बदलाव से होने वाली दिक्कतों की स्थिति को जेट लैग कहा जाता है। फ्लाइट के दौरान बॉडी को हाइड्रेट रखने से इस कंडीशन में राहत मिल सकती है। ऐसे बहुत सारे टिप्स आपकी जेट लैग की समस्या को कम कर सकते हैं। सबसे प्रभावी तरीका ट्रैवलिंग से कुछ दिन पहले से ही अपने स्लीप शेड्यूल को धीरे–धीरे बदलना है। अगर आप ईस्ट की तरफ ट्रैवल करने वाले हैं तो हर रात थोड़ा जल्दी सोकर शरीर को तैयार कर सकते हैं। अगर वेस्ट की तरफ ट्रैवल करने वाले हैं तो हर रात थोड़ा देर से सोना चालू करें। फ्लाइट के दौरान हाइड्रेशन का ध्यान रखें। क्योंकि शरीर में पानी की कमी से जेट लैग में होने वाली थकान और सिरदर्द गंभीर हो जाता है। एयर ट्रैवलिंग के दौरान पर्याप्त पानी पीने और अत्यधिक कैफीन या ऐल्कोहॉल ना लेने की सलाह दी जाती है। जेट लैग आपके डायजेशन को भी प्रभावित करता है। इस वजह से लोग अक्सर भूख ना लगना, अपच की समस्या, ब्लोटिंग या पेट में हल्की दिक्कत की शिकायत करते हैं। कुछ लोगों में सामान्य शारीरिक हरारत, हल्का सिर घूमना और एंग्जायटी या लो मोटिवेशन जैसी मूड की समस्या हो सकती हैं। यह लक्षण ट्रैवलिंग करने के बाद के पहले दिन से शुरू हो सकते हैं और तबतक दिखते रहते हैं, जबतक कि शरीर नए टाइम जोन के मुताबिक एडजस्ट नहीं हो जाता। अगर जरूरत हो तो दिन में 20–30 मिनट की छोटी नैप लेकर थकान दूर करें और इससे रात की नींद भी प्रभावित नहीं होती।

सूखे तुलसी के पौधे को दोबारा हरा–भरा कैसे करें?

मौसम के बदलाव या गलत रख–रखाव के कारण कई बार तुलसी का पौधा का सूखने लगता है। ज्यादातर लोग पौधा सूखने पर उसे हटा देते हैं, लेकिन गार्डनिंग एक्सपर्ट्स की मानें तो इसे दोबारा हरा–भरा करना मुमकिन है। उन्होंने सरसों के बीज से फ्री की खाद बनाना और देखभाल करने का तरीका बताया है। आसान घरेलू तरीकों के बारे में जानकर आप अपने सूखे हुए तुलसी के पौधे में नई जान फूंक सकते हैं। इसमें मिट्टी के सही मिश्रण से लेकर घर पर बनी इसरसों की खादश तक के उन खास नुस्खों का जिक्र है, जो मुरझाए हुए पौधे को भी फिर से हरा–भरा और घना बना देंगे। किसी भी उपचार से पहले यह जानना जरूरी है कि पौधे में जान बची है या नहीं। इसके लिए पौधे की मुख्य टहनी को अपने नाखून से थोड़ा सा खुरच कर देखें। अगर खुरचने पर अंदर का हिस्सा हरा दिखाई देता है, तो समझ लीजिए कि पौधा अभी जिंदा है और उसे बचाया जा सकता है। लेकिन अगर टहनी अंदर से भी पूरी तरह भूरी और सूखी है, तो उसे ठीक करना लगभग असंभव होता है। पौधे को बचाने के लिए उसकी सूखी टहनियों को काट कर हटा दें।

40 की उम्र के बाद डायबिटीज का महिलाओं की सेहत पर असर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

महिलाओं के लिए 40 की उम्र परिवर्तन का दौर होता है। इस उम्र में उनके शरीर में धीरे–धीरे परिवर्तन होने लगते हैं और कई रोग भी घेर लेते हैं। पुरुषों की तुलना में डायबिटीज से पीड़ित महिलाओं में दिल से संबंधी जटिलताओं के विकसित होने की संभावना अधिक होती है। महिलाओं में कुछ लक्षण बहुत सूक्ष्म होते हैं, जैसे थकान, सांस लेने में तकलीफ, जबड़े में दर्द या मतली, जिसके कारण हार्ट संबंधी समस्याओं को पहचानना मुश्किल हो जाता है और निदान में देरी होती है।

40 के बाद दिल के रोग

चालीस वर्ष की उम्र के बाद महिलाओं में डायबिटीज के कारण दिल के रोग का खतरा काफी बढ़ जाता है। लगातार हाई ब्लड शुगर का स्तर रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और धमनियों की दीवारों में फैट के जमाव को बढ़ा देता है। समय के साथ यह प्रक्रिया कोरोनरी धमनियों को संकुचित कर देती है और उच्च रक्तचाप, दिल के दौरे और स्ट्रोक की संभावना को बढ़ा देती है। भारतीय महिलाओं में मेटाबॉलिज्म संबंधी विकारों के प्रति आनुवंशिक संवेदनशीलता अधिक होती है, जो इस जोखिम को और बढ़ा देती है। महिलाओं में दिल के रोग के लक्षण भी सूक्ष्म हो सकते हैं, जिनमें थकान, सांस फूलना या जबड़े और पीठ में दर्द शामिल हैं। हार्ट हेल्थ की रक्षा के लिए नियमित रूप से दिल की जांच, लिपिड प्रोफाइल और शुगर लेवल को कंट्रोल में रखना महत्वपूर्ण है।

डायबिटीज से यूटीआई का जोखिम

डायबिटीज से ग्रस्त महिलाओं को यूरिन इन्फेक्शन यानी यूटीआई होना आम समस्या है। यूरिन में ग्लूकोज की अधिकता के कारण बैक्टीरिया को बढ़ने के लिए माहौल मिल जाता है। डायबिटीज शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी कमजोर कर सकता है, जिससे यूटीआई बार–बार हो सकता है।

मेनोपॉज के आसपास के वर्षों में हार्मोनल परिवर्तन के कारण महिलाओं की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली कमजोर होने लगती है। महिलाओं को पेशाब करते समय जलन या बार–बार पेशाब करने की इच्छा हो सकती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना, समय पर उपचार और ब्लड शुगर को सावधानीपूर्वक नियंत्रित करने से इन समस्याओं को कम किया जा सकता है।

वजन बढ़ना और मेटाबॉलिज्म पर असर

डायबिटीज इंसुलिन प्रतिरोध और धीमी चयापचय के कारण इसमें योगदान देता है। डायबिटीज से पीड़ित कई महिलाओं में पेट की चर्बी धीरे–धीरे बढ़ने लगती है, जिससे ब्लड शुगर को कंट्रोल करना मुश्किल हो जाता है। रेगुलर एक्सरसाइज, फाइबर और लो फैट वाले प्रोटीन से भरपूर संतुलित भोजन और नियमित नींद मेटाबॉलिज्म का संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं।

तेजी से बढ़ती उम्र और हार्मोनल बदलाव

लंबे समय से बढ़े हुए हाई शुगर लेवल के कारण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस भी बढ़ने लगता है जो त्वचा, रक्त वाहिकाओं और आंतरिक अंगों को प्रभावित करता है। इससे महिलाओं को थकान, घाव भरने में देरी और त्वचा में जल्दी बुढ़ापा आने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डायबिटीज हार्मोन्स के संतुलन को बिगाड़कर मेनोपॉज के समय को भी प्रभावित कर सकता है। इसके कारण महिलाओं को हॉट फ्लैश, अनियमित पीरियड्स, भावनाओं में उतार–चढ़ाव और नींद में गड़बड़ी जैसे लक्षण समय से पहले दिखाई दे सकते हैं।

स्वस्थ रहने के लिए जागरूकता जरूरी

40 की उम्र के बाद हर महिला को डायबिटीज हो ए जरूरी नहीं। हेल्दी डाइट, एक्टिव लाइफस्टाइल और नियमित हेल्थ चेकअप से महिलाएं खुद को डायबिटीज रोग से दूर रख सकती हैं। जागरूकता और सेहत के प्रति सचेत रहकर महिलाएं 40 की उम्र के बाद भी स्वस्थ रह सकती हैं।

जेस्टेशनल डायबिटीज क्या होती है? जानिए कारण और बचाव के आसान तरीके

प्रेग्नेंसी के दौरान कई महिलाओं को जेस्टेशनल डायबिटीज की समस्या हो सकती है। ऐसे में इसे कंट्रोल में रखने के लिए कुछ आसान उपाय अपनाना फायदेमंद हो सकता है। इसके लिए डाइट में हरी सब्जियां, साबुत अनाज और कम शुगर वाले फूड शामिल करें। साथ ही, रोजाना हल्की एक्सरसाइज या वॉक करने की आदत डालें, क्योंकि इससे ब्लड शुगर लेवल को संतुलित रखने में मदद मिल सकती है। अमेरिकन प्रेग्नेंसी एसोसिएशन की रिपोर्ट बताती है कि जेस्टेशनल डायबिटीज वह डायबिटीज है, जो पहली बार प्रेग्नेंसी के दौरान पहली बार पता चलती है। अन्य प्रकार की डायबिटीज की तरह यह भी शरीर की कोशिकाओं द्वारा शुगर (ग्लूकोज) के इस्तेमाल को प्रभावित कर सकती है। इसके कारण ब्लड में शुगर का स्तर बढ़ जाता है, जो गर्भावस्था और शिशु के स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। जेस्टेशनल डायबिटीज मधुमेह का एक अस्थायी (ज्यादातर मामलों में) रूप होता है। यह समस्या तब होती है जब प्रेग्नेंसी के दौरान शरीर ब्लड शुगर को कंट्रोल करने के लिए पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता। इसे ग्लूकोज इनटोलरेंस या कार्बोहाइड्रेट इनटोलरेंस भी कहा जाता है।

Page Three

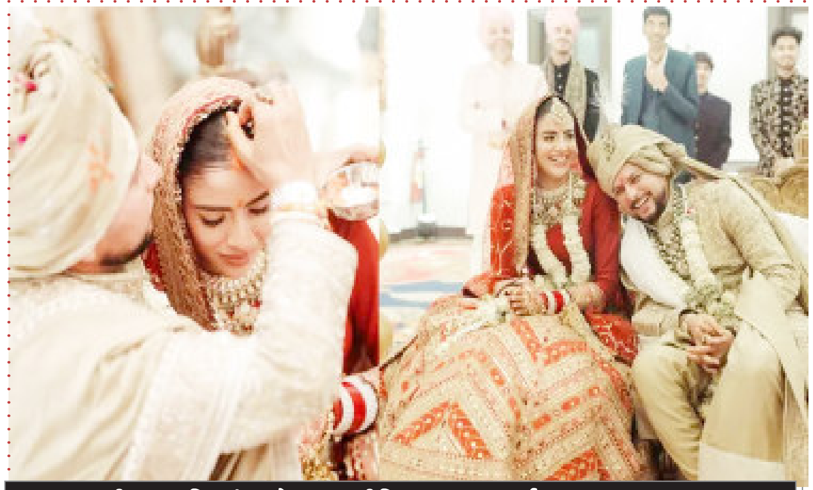

उत्सव की झलकियां सोशल मीडिया पर छाईं

शादी के बाद कुलदीप ने पहली बार सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने समारोह की तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन लिखा, हमारा सफर हमेशा के लिए अब शुरू होता है। शादी से पहले संगीत समारोह हुआ, जहां दुल्हन–दूल्हे ने मैचिंग ट्रेडिशनल कपड़े पहने। चहल और रैना ने तस्वीरें शेयर कीं, जो वायरल हो गईं। एक वीडियो में कुलदीप और वंशिका हाथ में हाथ डाले चलते दिखे, पीछे आतिशबाजी हो रही थी। तिलक वर्मा ने कहा था कि वे शादी में मजा करने आए हैं, उसके बाद आईपीएल 2026 की तैयारी करेंगे, जहां वे मुंबई इंडियंस के लिए खेलेंगे।

कुलदीप यादव ने शादी के बाद पहली बार तस्वीरें की शेयर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव शादी के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने अपनी बचपन की दोस्त वंशिका के साथ सात फेरे लिए हैं। उनकी शादी की सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हुई। शादी के बाद कुलदीप ने इंस्टाग्राम पर एक बहुत ही भावुक और दिल छू लेने वाला पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस और क्रिकेट प्रेमियों का दिल जीत लिया। कुलदीप यादव ने शादी के बाद पहली बार तस्वीरें की शेयर, कुलदीप ने उत्तराखंड के खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी में कुलदीप और वंशिका की शादी एक प्राइवेट लेकिन स्टार से भरी समारोह में हुई। यह आयोजन वेलकम होटल द सावॉय में हुआ, जहां कई दिनों तक होटल को सिर्फ मेहमानों और उत्सव के लिए बुक किया गया था। शादी में मौजूद और पूर्व क्रिकेटरों ने शिरकत की, जिसमें तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, युजवेंद्र चहल और सुरेश रैना जैसे स्टार्स शामिल हुए। कुलदीप और वंशिका दोनों कानपुर के रहने वाले हैं और वे सिर्फ 3 किलोमीटर की दूरी पर पले–बढ़े। उनकी दोस्ती बचपन से है, जो धीरे–धीरे प्यार में बदल गई। पिछले साल लखनऊ में एक होटल में उन्होंने प्राइवेट इंगेजमेंट किया था। वंशिका एलआईसी में नौकरी करती हैं।

भारत में टैलेंट की कोई सीमा नहीं : सूर्या

क्रिकेट

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया को लेकर दिया बड़ा बयान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत को टी20 वर्ल्ड कप 2026 जिताने वाले सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि भारतीय क्रिकेट में इतनी प्रतिभा मौजूद है कि उससे दो या तीन टीमें बनाई जा सकती हैं। इसके अलावा उन्होंने इसमें गौतम गंभीर के साथ अपने संबंधों को लेकर भी बातचीत की है। सूर्या ने भारत में इतना टैलेंट होने का कारण आईपीएल और घरेलू क्रिकेट को बताया है। भारतीय टीम के प्रदर्शन को देखें, तो सूर्या का दावा सच दिखाई देता है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद भारत के दो सबसे बड़े दिग्गज विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उनकी अनुपस्थिति का टीम पर कुछ खास प्रभाव नहीं पड़ा। टी20 क्रिकेट में सूर्या की कप्तानी में भारत अब तक एक भी सीरीज नहीं हारा है। यही नहीं टीम इंडिया ने, वो कारनामा कर दिखाया, जो आज तक दुनिया की कोई टीम नहीं कर सकी थी। भारत ने टी20 विश्व कप का खिताब तीसरी बार अपने नाम कर लिया।

सूर्यकुमार यादव ने कहा, भारत में बहुत टैलेंट है। मुझे लगता है कि यहां पर नियमित रूप से टैलेंट मिल सकता है। आईपीएल क्रिकेट है, फ्रेंचाइजी क्रिकेट है और फिर घरेलू क्रिकेट है। आप देखते हैं कि हर साल बहुत सारे खिलाड़ी निकलकर सामने आते हैं। इस वजह से मुझे लगता है कि भारत में टैलेंट की कोई सीमा नहीं है। अगर आप दो या तीन बनाना चाहें, तो बना सकते हैं। भारतीय टीम का आधार बहुत मजबूत है। टीम इंडिया का आधार बहुत मजबूत है और ये सच्चाई है। सच बोलने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए। 2024 के बाद से सूर्या को भारत की टी20 टीम की कमान मिली। उसके बाद से उनकी अगुवाई में टीम इंडिया एक भी टी20 सीरीज या टूर्नामेंट नहीं हारी है। सूर्या ने भारत की 52 मैचों में कप्तानी की और 42 में जीत हासिल की है। उनकी लीडरशिप में भारत ने आक्रामक क्रिकेट खेला है। भारतीय कप्तान ने टीम के इस दमदार प्रदर्शन का श्रेय टीम को दिया है। सूर्या ने कहा, मैं आंकड़ों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता हूं। मुझे मैच हारना पसंद नहीं है। अगर टीम का हर खिलाड़ी एक ही दिशा में आगे बढ़े, तभी आपको इस तरह की सफलता मिलती है।

सूर्या ने आगे कहा, गौतम गंभीर ने उनके ऊपर काफी भरोसा दिखाया था। 2014 में जब मैं कोलकाता के साथ जुड़ा, तो उन्होंने मुझे उपकप्तान बनाया। गंभीर ने ही मुझे स्काई नाम दिया था, जो आज तक मेरे साथ जुड़ा है।

मुझे लगता है कि पिच हमारी उम्मीद से अधिक गेंदबाजों की मददगार थी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच पहला टी20 मैच रविवार को खेला गया। इस मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद उन्हें भारत की याद आ गई और बड़ा बयान दिया। कीवी टीम को भारत के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में 96 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। इसी के साथ उनके चैंपियन बनने का सपना टूट गया और भारत ने तीसरी बार विश्व कप अपने नाम किया।

वर्ल्ड कप समाप्ति के बाद कीवी टीम और साउथ अफ्रीका 5 मैचों की टी20 सीरीज खेल रही है। इस सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड को हार मिली। इसके बाद सैंटनर ने भारत का जिक्र किया। कीवी कप्तान ने टीम की हार को लेकर भी खुलकर बात की। बता दें कि ब्लैककैप्स पहले बल्लेबाजी करते हुए 91 रनों पर ऑलआउट हो गए थे। इसके बाद साउथ अफ्रीका ने मुकाबले को 7 विकेट से अपने नाम कर लिया था।

■सैंटनर ने भारत–टी20 वर्ल्ड कप 2026 फाइनल की याद दिलाई

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में हार के बाद सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि पिच हमारी उम्मीद से अधिक गेंदबाजों की मददगार थी। साउथ अफ्रीका ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और हमें शुरू से ही दबाव में रखा। ऐसी पिच पर अगर आप शुरुआत में विकेट गंवाते हैं, तो आगे खेल में बने रहना मुश्किल हो जाता है। अगर हम 120 या 130 रन बना लेते, तो उनके लिए कुछ और कड़ी चुनौतियां पेश कर सकते थे। हम अगला मैच हैमिल्टन में खेलेंगे, जहां की पिच थोड़ी अलग होगी।

सैंटनर ने आगे कहा, दूसरे मैच में हम इस तरह धीमी शुरूआत नहीं करना चाहेंगे। हर मैच से खिलाड़ियों को समझने और आगे की संभावनाओं का अंदाजा लगाने में मदद मिलती है। वे एक मजबूत टीम हैं और उन्होंने आज कर दिखाया है। वे आने वाले मैचों में हमें कड़ी टक्कर दे सकते हैं। हम थोड़ा रन और बना लेते, तो उन्हें कड़ी टक्कर दे सकते थे। गेंद को इस तरह से स्पिन होते हुए देखकर अच्छा लगा। न्यूजीलैंड में हमें आमतौर पर ऐसा देखने को नहीं मिलता। हाल ही में हम भारत में थे, जहां कुछ जगहों पर ऐसा स्पिन देखने को नहीं मिला।

इस वजह से ये काफी शानदार था। न्यूजीलैंड ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद प्रोटियाज के गेंदबाज कीवी बल्लेबाजों पर हावी हो गए और पूरी टीम 91 रनों पर सिमट गई।

हमें पहली गेंद मिली उड़ा देंगे: वैभव सूर्यवंशी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नई दिल्ली में नमन अवॉर्ड्स समारोह का आयोजन किया था। भारतीय क्रिकेटरों को सम्मानित करने के लिए आयोजित होने वाला यह वार्षिक समारोह इस बार खास था। इस बार महिला विश्व कप 2025, टी20 विश्व कप 2026, चैंपियंस ट्रॉफी 2025, अंडर–19 विश्व कप, अंडर–19 महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय टीम की जीत का जश्न मनाया गया।

मौके पर पुरुष, युवा और महिला टीमों के खिलाड़ी मौजूद रहे। समारोह के दौरान संजू सैमसन ने अंडर–19 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे वैभव सूर्यवंशी का आईपीएल से जुड़ा किस्सा साझा किया। आईपीएल में वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हैं। 2025 में उन्होंने एलएसजी के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया था। वैभव आईपीएल डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं।

न्यूज डायरी

आईपीएल 2026 का पूरा सीजन मिस करेंगे हर्षित राणा?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। कोलकाता को पहले मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करना पड़ा और उसके बाद उन्होंने ब्लेसिंग मुजरबानी को रिप्लेसमेंट के रूप में शामिल किया। कोलकाता को शायद एक और रिप्लेसमेंट ढूंढना पड़ सकता है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा का नया वीडियो सामने आया है, जिसने चिंताएं बढ़ा दी हैं। राणा पिछले कुछ समय से चोटिल चल रहे हैं। वे टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया का हिस्सा थे लेकिन चोट की वजह से बाहर होना पड़ा था। हर्षित की जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया था। उम्मीद थी कि राणा आईपीएल 2026 से पहले ठीक हो जाएंगे लेकिन ऐसा होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दाएं हाथ के पेसर को बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स के दौरान देखा गया, जहां वे बैसाखी के सहारे चलते हुए दिखाई दिए। मुंबई में बीसीसीआई अवॉर्ड्स सेरेमनी का आयोजन हुआ। इस दौरान राणा भी वहां पर पहुंचे। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे बैसाखी के सहारे चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। अवॉर्ड के दौरान भी, जब राणा के नाम का एलान हुआ, तो खुद उठकर नहीं जा सके। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें खुद आकर अवॉर्ड से सम्मानित किया। ऐसे में अब राणा के आईपीएल 2026 से बहर होने की अटकलें लग रही हैं। अगर हर्षित पूरे सीजन से बाहर होते हैं, तो केकेआर का पेस अटैक काफी कमजोर हो सकता है। उन्होंने पहले से ही रहमान को रिलीज कर दिया था। अब राणा के बाहर होने से उन्हें बड़ा झटका लग सकता है।

एशिया कप के बाद अब आईसीसी ट्रॉफी चुराएंगे मोहसिन नकवी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अब पूर्व पाकिस्तानी बल्लेबाज कामरान अकमल ने टीम पर जमकर अपना गुस्सा निकाला है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर आप नहीं जीत पा रहे हैं, तो क्या आईसीसी ट्रॉफी चुराकर लाएंगे। उनका ये बयान एशिया कप 2025 की उस घटना को याद दिलाता है, जब पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी भारत की जीत के बावजूद ट्रॉफी अपने साथ लेकर चले गए थे। पाकिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में निराशाजनक सफर समाप्त करते हुए बांग्लादेश का दौरा किया। इस दौरे पर तीन वनडे मैच खेले गए, जिसे बांग्लादेश ने 2–1 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद कामरान गुस्से में आ गए और उन्होंने शाहीन अफरीदी की कप्तानी वाली टीम की खूब आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि नीदरलैंड्स की टीम भी पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल कर सकती है। अकमल ने पाकिस्तान की हार के बाद कहा, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के हालात अब ऐसे हो गए हैं कि हमारे खिलाफ नीदरलैंड्स सीरीज खेलना चाहेगा। वे हमें हराकर टेस्ट नेशन का दर्जा हासिल करना चाहेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट की यही सच्चाई है। बांग्लादेश 350 रन बना सकता था लेकिन वे 290 तक ही पहुंच सके। इसके बाद भी हम हार गए। अगर आप मैच खेलकर टीमों को नहीं हरा सकते, तो क्या आईसीसी ट्रॉफी चुराकर अपने घर लेकर आएंगे।

पीएसएल के ऊपर ब्लेसिंग मुजारबानी ने चुना आईपीएल तो पीसीबी को लगी मिर्ची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने के लिए भारत न आने की वजह से जब आईसीसी ने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया था तो उस वक्त पाकिस्तान ने पड़ोसी मुल्क का खुलकर समर्थन किया था। उन्होंने बांग्लादेश को सपोर्ट करते हुए काफी विवाद किया था। पाकिस्तान ने यहां तक कह दिया था कि वह बांग्लादेश को बाहर करने की वजह से भारत के खिलाफ मैच तक नहीं खेलेंगे। हालांकि, इसके बाद पाकिस्तान को घुटनों पर आना पड़ा। लेकिन टी20 विश्व कप से पहले दोनों के बीच काफी भाईचारा देखने को मिला था। हालांकि टी20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद पाकिस्तान ने तीन मैच की वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करा। इस सीरीज में कल तक भाईचारा दिखाने वाले पाकिस्तान और बांग्लादेश एक दूसरे को ही कांटने को दौड़ रहे थे। सीरीज के आखिरी दो मैचों में तो जमकर विवाद हुए। किसी ने किसी पर कोई रहम नहीं किया।

मुख्यमंत्री की 10–10 घोषणाओं पर आधारित कार्यों की समीक्षा बैठक करते हुए मुख्यमंत्री धामी।

संक्षिप्त समाचार

बिपिन रावत की जयंती पर सीएम ने किया श्रद्धा सुमन अर्पित

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत के प्रथम चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, पद्म विभूषण से अलंकृत तथा उत्तराखंड के गौरव, जनरल बिपिन रावत की जयंती पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावपूर्ण स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ भारती की सेवा में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले जनरल बिपिन रावत अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा और सेवा के प्रति जनरल बिपिन रावत का समर्पण हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उनका नेतृत्व, दूरदर्शिता और देश के प्रति अटूट निष्ठा आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रहेगी।

स्वयंसेविकाओं को ऋग्वेद की दी जानकारी

संवाददाता देहरादून। डीबीएस पीजी कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर से शिविर के पांचवें दिन प्रभात फेरी निकाली। वैदिक साधन आश्रम तपोवन में सात दिवसीय एनएसएस शिविर में डीबीएस कॉलेज के पूर्व प्रध ाानाचार्य डॉ एके बियानी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को सृष्टि के सृजन के विषय में बताया कि सृष्टि में जीव का सृजन कैसे हुआ। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को ऋग्वेद के बारे विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ शीतल कनौजिया और डॉ बरखा कमल ने उनका स्वागत किया। दूसरे सत्र में साधना जयराज मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने स्वयंसेविकाओं का मार्गदर्शन किया। इस दौरान तपोवन आश्रम के सचिव प्रेम प्रकाश शर्मा, अंशिका, अदिति, कनक, शिवानी, आयुषी, कृतिका आदि मौजूद रहे।

मसूरी में एक बार फिर लौट आई ठंड

संवाददाता मसूरी। मसूरी में सोमवार को सुबह के समय खिली चटख धूप के बाद दोपहर 12रू00 बजे आसमान में काले बादल छा गए। शाम को 6रू00 बजे करीब सर्द हवाएं चलनी शुरू हो गईं। इससे ठंड बढ़ गई और लोग गर्म कपड़ों में नजर आए।ठंड के कारण माल रोड पर भी बहुत कम पर्यटक नजर आए अधिकांश पर्यटक होटल की ओर लौट गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ-राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।

चार वर्षों में लगभग 30 हजार युवाओं को प्रदान की गई सरकारी नौकरीः सीएम

हरी झंडी

■मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शहरी विकास निदेशालय के नवीन भवन का किया वर्चुअल शिलान्यास

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में शहरी विकास विभाग के अन्तर्गत चयनित 63 सफाई निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लगभग 62 करोड़ की अनुमानित लागत से बनने वाले शहरी विकास निदेशालय के नवीन भवन का वर्चुअल शिलान्यास भी किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कूड़ा निस्तारण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चार वर्षों में राज्य में लगभग 30 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित सभी सफाई निरीक्षकों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आज आपके जीवन में एक नई जिम्मेदारी की शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के समय प्रदेश में केवल 63 स्थानीय नगर निकाय थे। आज प्रदेश में 11 नगर निगम, 46 नगर पालिका परिषद और 51 नगर पंचायत सहित कुल 108 स्थानीय नगर निकाय हैं। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि आज हमारे शहर विकास और आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र बन चुके हैं। राज्य सरकार प्रदेश के अपने इन शहरों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इस दिशा में हमारे स्थानीय निकायों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि कूड़ा प्रबंधन से लेकर नागरिकों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं के सुचारू संचालन तक की बड़ी जिम्मेदारी इन्हीं संस्थाओं के कंधों पर होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड आस्था, आध्यात्म और पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहाँ स्थित चारधाम और गंगा–यमुना के पावन तीर्थ हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। वर्ष 2027 में कुंभ मेले का आयोजन होना है और अगले महीने से चारधाम यात्रा भी प्रारंभ होने वाली है। ऐसे अवसरों पर शहरों और तीर्थस्थलों की स्वच्छता और व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखना अत्यंत आवश्यक होता है। इसमें नगर निकायों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहरों को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। जहाँ एक ओर स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शहरों में ठोस कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है, वहीं स्मार्ट सिटी मिशन, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत मिशन, खुले में शौच मुक्त अभियान और लीगेसी वेस्ट प्रबंधन जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने का प्रयास भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए अर्बन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर भी स्थापित किए गए हैं। निराश्रित गौवंशों के संरक्षण के लिए आश्रय योजना संचालित की जा रही है। कचरा प्रबंधन के लिए आधुनिक मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन का निर्माण किया गया है और कूड़ा वाहनों की निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है।

63 सफाई निरीक्षकों को प्रदान किए नियुक्ति पत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय निकाय हमारे शहरों के समग्र विकास के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। सफाई निरीक्षक इसकी नींव के पत्थर हैं। प्रदेश में नगर निकायों की प्रशासनिक और तकनीकी क्षमता को लगातार सुदृढ़ किया जा रहा है। पिछले करीब 5 वर्षों में शहरी निकायों में 63 अधिशासी अधिकारियों, 22 कर एवं राजस्व निरीक्षकों तथा 32 अवर अभियंताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। 63 सफाई निरीक्षकों की नियुक्ति हमारे नगर निकायों की कार्यक्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सभी नवनियुक्त निरीक्षक अपने कर्तव्यों का निष्ठा और ईमानदारी के साथ निर्वहन करते हुए प्रदेश के शहरों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे।

लंबित परियोजनाओं पर 15 दिन में निर्णय लें

निर्देश

■मुख्यमंत्री घोषणाओं के कार्यों को शीघ्र पूर्ण करेंः मुख्य सचिव

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय सभागार में मुख्यमंत्री घोषणाओं तथा मुख्यमंत्री की 10–10 घोषणाओं पर आधारित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में भूमि उपलब्ध नहीं हो पा रही है, उनके संबंध में संबंधित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विधायक तथा जिलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर यह स्पष्ट किया जाए कि परियोजना को क्रियान्वित किया जाना है अथवा नहीं। उन्होंने इसी तरह के अंतर–विभागीय मुद्दों को भी आपसी समन्वय से शीघ्र सुलझाने के निर्देश दिए, ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर त्वरित निर्णय लिया जा सके।

उन्होंने कहा कि जिन परियोजनाओं के लिए भूमि और अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की जा सकती हैं, उन पर तत्काल कार्य प्रारंभ किया जाए, जबकि जो परियोजनाएं व्यवहारिक नहीं हैं, उनके विलोपन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री की 10–10 कार्य आधारित घोषणाओं के अंतर्गत आने वाले कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को शीघ्र पूरा किया जा सकता है, उनकी सभी औपचारिकताएं तत्काल पूर्ण कर उन्हें क्रियान्वित किया जाए।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण तथा अन्य निर्माण कार्यों से संबंधित जो कार्य किए जा सकते हैं, उनके लिए तत्काल शासनादेश जारी किए जाएं तथा जो कार्य संभव नहीं हैं, उनके विलोपन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री घोषणाओं के अंतर्गत जिन योजनाओं और परियोजनाओं को पूर्ण किया जाना है, उन पर त्वरित अग्रिम कार्रवाई करते हुए उन्हें शीघ्रता से पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिस योजना अथवा परियोजना को किसी कारणवश पूर्ण करना संभव नहीं है और जिसका विलोपन किया जाना है, उसका प्रस्ताव अगले 15 दिवस के भीतर मुख्यमंत्री घोषणा सैल को प्रस्तुत किया जाए। निर्धारित अवधि में प्रस्ताव प्राप्त न होने की स्थिति में यह माना जाएगा कि संबंधित विभाग उस परियोजना को पूर्ण करेगा।

कांग्रेस का रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र के खिलाफ प्रदर्शन

संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी ने रसोई गैस की भारी किल्लत और लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण आम जनता को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सोमवार को महानगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी प्रेमनगर के कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने प्रेमनगर चौक पर केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और सरकार का पुतला दहन किया। महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि देशभर में रसोई गैस की भारी कमी से लोग परेशान हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लोगों को घंटों लंबी कतारों में खड़ा रहना पड़ रहा है और दूसरी ओर गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इससे आम परिवारों का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कहा कि कांग्रेस पार्टी इस जनसमस्या को लेकर सड़कों पर उतरकर जनता की आवाज बुलंद कर रही है।

वीवो वाई51 प्रो 5जी हुआ लॉन्च

संवाददाता देहरादून । वीवो इंडिया ने आज अपने वाई सीरीज में नया स्मार्टफोन वीवो वाई51 प्रो 5जी लॉन्च किया। नया वाई51 प्रो उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो स्मूथ और भरोसेमंद परफॉर्मेंस के साथ इमर्सिव एंटरटेनमेंट चाहते हैं। यह स्मार्टफोन ऐसा अनुभव देता है जो रोजमर्रा की तेज और बदलती दिनचर्या के साथ कदम मिलाकर चलता है।